(c) what are the major causes identified for the growing sickness in the Ahmedabad textile industry; and

(d) what measures have been taken by Government to retrieve the Ahmedabad textile industry from sickness?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) Yes, Sir.

(b) 25 Cotton-man-made Fibre Textile Mills are reported to be closed in Ahmedabad as on 31-12-93. 17 mills are closed under section 56 of Companies Act and 8 mills are reported to be temporarily closed due to financial difficulties and power supply. No mill in Ahmedabad has been closed under I.D. Act. number of workers affected due to closure of mills is 54000 approximately.

(c) The main reasons for sickness are competition from powerlooms in the decentralised sector, low productivity of machine and labour, lack of modernisation and excess labour compliment, increase in cost of inputs and excess capacity.

(d) Government have set up Nodal Agency/Board of Industrial and Financial Reconstruction to evolve and manage Rehabilitation package in respect of sick/closed mills.

ऊन विकास बोर्ड का गठन

985. **श्री मूलचन्द मीणा:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ऊन विकास बोर्ड का गठन कब किया गया था;

(ख) क्या उक्त बोर्ड की कार्यप्रणाली के लिये कोई नियम बनाए गये है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इन नियमों को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने के लिये क्या कदम उठाने का विचार रखती है और कब तक?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) ऊन विकास बोर्ड का गठन 7 जुलाई, 1989 को किया गया था।

(ख) और (ग) इस समय ऊन विकास बोर्ड की कार्य प्रणाली आन्तरिक नियमों के माध्यम से विनियमित की जाती है।

हथकरघा उत्पादों का निर्यात

986. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन:**
श्री एस० के० टी० रामचन्द्रन:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले वर्ष के दौरान हथकरघा उत्पादों के निर्यात में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है और सरकार को इससे कितनी आय अर्जित हुई है;

(ख) क्या सरकार ने हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और हथकरघा उद्योग की सुरक्षा के लिये कोई विशेष कार्य योजना बनाई है;

(ग) सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में हथकरघा बुनकरों को अधिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिये क्या प्रावधान किया गया है;

(घ) वर्ष 1993-94 और 1994-95 के लिये सरकार द्वारा हथकरघा उत्पादों के निर्यात के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ङ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार हथकरघा वस्त्र निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अधिक वाणिज्यिक संस्थानों की स्थापना को प्रोत्साहन दे रही है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) वर्ष 1992-93 के दौरान सूती हथकरघा फैब्रिकों और मेड-अप्स के निर्यात 1033.3 करोड़ रुपये मूल्य के हुए जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं।

(ख) हथहरघा क्षेत्र को प्रोत्साहन देने तथा उसके संरक्षण के लिये सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। हथकरघा (उत्पादन के लिए वस्तुओं का आरक्षण) अधिनियम में हथकरघा क्षेत्र में विशेष रूप से उत्पादन करने के लिए कुछ मदों का आरक्षण किया गया है। अन्य मुख्य योजनाओं में बाजार विकास सहायता योजना,